यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की महिमा हो! आइए, परमेश्वर के वचन पर मिलकर मनन करें।

क्या यीशु तुम्हारे जीवन में सचमुच राजा हैं? यदि तुम्हारे जीवन में कुछ विशेष प्रकार की आदतें हैं, तो चाहे तुम उन्हें अपने मुंह से राजा मानो, वास्तव में वे अभी तक तुम्हारे राजा नहीं बने हैं।

यदि तुम यीशु को केवल अपनी सांसारिक भलाई के लिए ढूंढ़ते हो—जैसे धन प्राप्त करने के लिए, विवाह के लिए, संतान के लिए, प्रसिद्धि या अन्य भौतिक इच्छाओं की पूर्ति के लिए—तो जान लो कि वह तुम्हारे राजा नहीं हैं। भले ही तुम लोगों के सामने उन्हें अपना राजा कहो, लेकिन वास्तव में वह तुम्हें जानते तक नहीं!

तुम पूछोगे: “यह बात बाइबल में कहाँ लिखी है?” तो आओ, हम एक घटना पर विचार करें जो इस बात को स्पष्ट करती है:

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यूहन्ना 6:10–15
यीशु ने कहा, “लोगों को बैठा दो।” उस स्थान पर बहुत घास थी, और लोग—लगभग पाँच हजार पुरुष—वहाँ बैठ गए।
फिर यीशु ने रोटियाँ लीं, धन्यवाद किया और वहाँ बैठे हुए लोगों को बाँट दीं; उसी प्रकार मछलियाँ भी, जितनी उन्होंने चाहीं।
जब वे तृप्त हो गए, तो उसने अपने चेलों से कहा, “बचे हुए टुकड़े इकट्ठे करो ताकि कुछ न नष्ट हो।”
उन्होंने उन्हें इकट्ठा किया और पाँच जौ की रोटियों के टुकड़ों
से बारह टोकरियाँ भर लीं जो खाने वालों से बची थीं।
जब लोगों ने वह आश्चर्यकर्म देखा जो यीशु ने किया था, तो वे कहने लगे, “निश्चय ही यह वही भविष्यवक्ता है जो संसार में आनेवाला है।” तब यीशु यह जानकर कि वे आकर उसे पकड़ना चाहते हैं ताकि उसे राजा
बना दें, फिर अकेले पहाड़ पर चले गए।

अब सोचो—क्या प्रभु यीशु राजा नहीं बनना चाहते? बिल्कुल चाहते हैं! वह अपना राज्य स्थापित कर रहे हैं, और वह राजाओं के राजा होंगे। फिर उन्होंने उस समय उस प्रस्ताव को क्यों ठुकरा दिया?

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यूहन्ना 18:33–36
पीलातुस ने फिर प्रेटोरियम में प्रवेश किया, यीशु को बुलाकर पूछा, “क्या तू यहूदियों का राजा है?”
यीशु ने उत्तर दिया, “क्या तू अपने मन से यह कह रहा है, या औरों ने मेरे विषय में तुझसे कहा?”
पीलातुस ने कहा, “क्या मैं यहूदी हूँ? तेरे जाति और महायाजकों ने तुझे मेरे हाथ सौंपा है। तूने क्या किया?”
यीशु ने उत्तर दिया, “मेरा राज्य इस संसार का नहीं है। यदि मेरा राज्य इस संसार का होता, तो मेरे सेवक लड़ते ताकि मैं यहूदियों के
हाथ न सौंपा जाता; परन्तु अब मेरा राज्य यहाँ का नहीं है।”

यीशु ने इसलिए उस भीड़ को ठुकराया, क्योंकि वे एक सांसारिक राजा चाहते थे—एक ऐसा राजा जो उनके नगरों को फिर से बनवाए, उनकी अर्थव्यवस्था को उठाए, उन्हें धनवान बनाए, और गरीबी मिटा दे। पर यीशु ऐसे उद्देश्य के लिए नहीं आए थे।

बाद में वे लोग फिर से यीशु को ढूंढ़ते रहे:

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यूहन्ना 6:24–27
जब लोगों ने देखा कि यीशु और उसके चेले वहाँ नहीं हैं, तो वे नावों में बैठकर कफरनहूम गए और यीशु को खोजने लगे।
जब उन्होंने समुद्र के पार उसे पाया, तो कहा, “रब्बी, तू यहाँ कब आया?”
यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुमसे सच कहता हूँ—तुम मुझे इसलिए नहीं खोज रहे कि तुमने आश्चर्यकर्म देखा, बल्कि इसलिए कि तुमने
रोटियाँ खाईं और तृप्त हो गए।
उस भोजन के लिए परिश्रम मत करो जो नाश होता है, बल्कि उस भोजन के लिए जो अनन्त जीवन के लिए बना रहता है, जिसे मनुष्य का पुत्र तुम्हें देगा; क्योंकि पिता, अर्थात परमेश्वर, ने उसी पर अपनी
मुहर लगाई है।”

उन्होंने उसे ढूंढ़ा, लेकिन गलत इरादे से। यही कारण था कि यीशु उनके राजा नहीं बन सके।

आज भी कई चर्चों और मसीही जीवनों में यही स्थिति है। बाइबल कहती है:

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

इब्रानियों 13:8–9
“यीशु मसीह कल, आज और सदा एक ही हैं।
विभिन्न और विचित्र उपदेशों के बहकावे में मत आओ, क्योंकि यह
उत्तम है कि अनुग्रह से मन दृढ़ किया जाए, न कि उन खाद्य पदार्थों
से, जिनसे सेवन करनेवालों को लाभ नहीं हुआ।”

यीशु बदलते नहीं—भले ही लोग उन्हें अपने हिसाब से बदलने की कोशिश करें। यदि उन्होंने उन लोगों से किनारा किया जो उन्हें सांसारिक राजा बनाना चाहते थे, तो वे आज भी हमसे वैसा ही करेंगे यदि हम उन्हीं इरादों से उनके पास आते हैं।

यदि वह उस दिन उन लोगों को ठुकरा देंगे जिन्होंने उनके नाम से दुष्टात्माओं को निकाला, लेकिन उनका हृदय उनसे दूर था—तो सोचो, तुम्हारा क्या होगा?
क्या वह तुम्हें इसीलिए धन, औलाद, या चमत्कारी चंगाई दे रहे हैं क्योंकि वे तुमसे प्रसन्न हैं? नहीं! वह चाहते हैं कि तुम पश्चाताप करो और संपूर्ण जीवन उनके अनुसार चलो।

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

रोमियों 2:4
“क्या तू उसकी कृपा, सहनशीलता और धैर्य के भंडार को तुच्छ जानता
है? क्या तू नहीं समझता कि परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव की ओर
ले जाती है?”

यदि तुमने अब तक यीशु को अपने जीवन में स्वीकार नहीं किया है, तो कृपा का द्वार अब भी खुला है—हालांकि यह सदा नहीं खुला रहेगा।

यह तेरा समय है प्रभु यीशु को अपने जीवन का राजा मानने का। मन से विश्वास कर, और अपने मुंह से स्वीकार कर। पापों से सच्चा पश्चाताप कर—और वह केवल शब्दों से नहीं, कर्मों से भी हो:

यदि तुम शराब पीते हो, तो शराबी साथियों और आदतों को छोड़ दो।

यदि तुम व्यभिचार में थे, तो उन सब वस्त्रों और श्रृंगार को त्याग दो जो उस जीवन से जुड़े हैं।

यदि तुम सांसारिक संगीत सुनते थे, तो उन्हें अपने फोन और हृदय से

यीशु तुम्हारे लिए किस प्रकार का राजा है?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

मिटा दो।

यदि तुम्हारा मन फिल्मों, खेलों और अन्य सांसारिक चीज़ों में लगता था, तो उन्हें भी त्याग दो।

फिर, यदि अब तक तुम्हारा बपतिस्मा नहीं हुआ है, तो सही रीति से बपतिस्मा लो—जल में डुबोकर और प्रभु यीशु मसीह के नाम से। फिर प्रभु तुम्हें अपने पवित्र आत्मा का वरदान देगा, जो तुम्हें सम्पूर्ण सत्य में ले चलेगा और इस संसार पर जय पाने में सहायता देगा।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

Share on:
WhatsApp